



दैनिक

बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बरस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महाराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित ।

दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

कल्कि संभल का दूसरा पोस्टर...8

सिद्धार्थनगर

मंगलवार , 14 अप्रैल 2026

वर्ष: 13 अंक : 116 पृष्ठ: 8

आमंत्रण मूल्य 2/-रुपया

एक विश्वास....

सम्पादक : राजेश शर्मा

श्रमिक प्रदर्शन: हिंसा पर सीएम योगी का बड़ा बयान, बोले— प्रदेश में अशांति फैलाने की हो रही साजिश

लखनऊ। एनसीआर में श्रमिकों के बढ़ते असंतोष की लहर नोएडा में हिंसा में तब्दील हो गई, जिसके बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शांति बनाए रखने की अपील की और श्रमिकों को आश्वासन दिया कि सरकार उनके साथ खड़ी है। मुजफ्फरनगर में एक रैली को संबोधित करते हुए योगी ने बढ़ते तनाव के बीच श्रमिकों से सीधे अपील करते हुए दृढ़ रुख अपनाया। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक निकायों के नेतृत्व में बनी दोहरी इंजन सरकार सुरक्षा, सुशासन और सेवा का एक आदर्श मॉडल बना रही है। उन्होंने आगे कहा कि कुछ लोग अशांति फैलाने और राज्य को शांति और समृद्धि की ओर बढ़ने से रोकने की साजिश रच रहे हैं। योगी ने श्रमिकों से भी अपील करते हुए कहा कि मैं सभी कर्मचारियों और मजदूरों से अपील

करता हूँ डबल इंजन वाली सरकार हमेशा आपके साथ खड़ी है, साथ ही उन्होंने याद दिलाया कि कोविड काल के दौरान श्रमिकों को सरकार द्वारा व्यवस्थित वाहनों का उपयोग करके घर पहुंचाया गया था। दूसरी ओर उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने नोएडा में श्रमिकों के विरोध प्रदर्शन से निपटने के तरीके को लेकर राज्य सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि मदरसन ग्रुप की फैक्ट्री के बाहर के दृश्य चिंताजनक थे। एक्स पर एक पोस्ट में राय ने कहा कि बढ़ती महंगाई और कथित वेतन शोषण श्रमिकों को सड़कों पर उतरने के लिए मजबूर कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विज्ञापन खाली पेट नहीं भर सकते और आंसू गैस



के गोले भूख मिटा नहीं सकते। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से बल प्रयोग करने के बजाय श्रमिकों की मांगों को पूरा करने का आग्रह किया। वेतन वृद्धि की मांग को लेकर फैक्टरी कर्मियों द्वारा किया जा रहे प्रदर्शन के दौरान सोमवार को जमकर हिंसा हुई और नोएडा के फेज-2 और

सेक्टर-60 इलाकों में वाहनों में आग लगा दी गई, संपत्ति को नुकसान पहुंचाया गया और पथराव की घटनाएं सामने आईं। पुलिस ने यह जानकारी दी। प्रदर्शन के कारण यातायात ठप हो गया, जिससे सुबह के व्यस्त समय में दिल्ली जाने वाली विभिन्न सड़कों पर हजारों यात्री फंस गए।

दिल्ली-नोएडा सीमा पर कई किलोमीटर तक वाहनों की लंबी कतारें देखी गईं। अधिकारियों के अनुसार, विभिन्न औद्योगिक इकाइयों के कर्मचारी बड़ी संख्या में सुबह एकत्र हुए और उन्होंने वेतन संशोधन की अपनी काफी समय से लंबित मांग को लेकर नारेबाजी और प्रदर्शन किया। सेक्टर-62 और सेक्टर-84 में भी मजदूरों ने सुबह से ही प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रीय राजमार्ग-9 को भी जाम कर दिया। प्रदर्शन जल्द ही हिसक हो गया। कुछ प्रदर्शनकारियों ने संपत्ति में तोड़फोड़ की, पथराव किया और वाहनों में आग लगा दी। अधिकारियों ने बताया कि गौतम बुद्ध नगर आयुक्तालय के अंतर्गत औद्योगिक क्षेत्रों में पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की गई है।

भारत विश्व की आत्मा, आध्यात्मिक ज्ञान ने भौतिकवाद के तूफानों से बचाया: मोहन भागवत

नई दिल्ली। राष्ट्रीय उन्होंने जोर देकर कहा कि यदि महापुरुषों से प्राप्त ज्ञान को दिया।

स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने नागपुर में आयोजित शंभुचक्राणक प्रतिष्ठा गजुरथ महोत्सव में संतों की एक सभा को संबोधित करते हुए भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक श्रेष्ठता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि भारत इश्वरविश्व की आत्मा है और जब तक भारत का अस्तित्व है, तब तक पूरी दुनिया सुरक्षित रहेगी।

दुनिया भर में भौतिकवाद और उपभोक्तावाद के तूफानों ने कई समाजों को नष्ट कर दिया है, लेकिन भारत इन चुनौतियों के बीच भी अडिग रहा है। भागवत के अनुसार, भारत के पास वह आध्यात्मिक ज्ञान और बुद्धिमत्ता है जो अन्य देशों के पास नहीं है।



विश्व को एक शरीर माना जाए, तो भारत उसकी आत्मा के रूप में कार्य करता है। इतिहास का हवाला देते हुए सरसंघचालक ने कहा कि ग्रीस, मिस्र और रोम जैसी प्राचीन सभ्यताएं समय के साथ लुप्त हो गईं, लेकिन भारत के अस्तित्व में कुछ ऐसा विशेष है कि इसे कभी मिटाया नहीं जा सका। उन्होंने इस निरंतरता का श्रेय हमारे पूर्वजों, संतों और

उन्होंने कहा, इश्वरहमारे अस्तित्व का रहस्य वह ज्ञान है जो हमें अपने संतों से मिला है। जब भी विश्व किसी संकट का सामना करता है, भारत ही आगे का रास्ता दिखाता है। इश्वर उन्होंने संतों की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि उनके द्वारा फैलाया गया आध्यात्मिक ज्ञान ही भारत की असली ताकत है, जो देश को बाहरी प्रभावों से बचाए रखती है।

चुनावी रंग में अंधे नहीं हो सकते, पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची मामले पर सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी

सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर चिंता जताई और कहा कि मतदाताओं को मतदाता सूचियों में बने रहने का निरंतर अधिकार है और



चुनाव कराने के दबाव में इस प्रक्रिया को विकृत नहीं किया जाना चाहिए। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ मतदाताओं द्वारा दायर एक रिट याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिनकी मतदाता सूचियों से नाम हटाए जाने के खिलाफ अपीलें अपीलीय न्यायाधिकरणों में लंबित हैं। याचिकाकर्ताओं ने मतदाता सूचियों को फ्रीज करने की अंतिम तिथि बढ़ाने की मांग की है और तर्क दिया है कि यदि उनकी अपीलें सफल होती

हैं तो उन्हें आगामी विधानसभा चुनावों में मतदान करने की अनुमति दी जानी चाहिए। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) के अनुसार, मतदाता सूची को 9 अप्रैल से फ्रीज कर दिया गया है। पिछली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया था कि इन मतदाताओं के अधिकार स्थायी रूप से नहीं छिन्नंगे, लेकिन क्या वे इस चुनाव में मतदान कर सकेंगे, यह अभी भी विचाराधीन है।

इस बीच, अदालत मालदा घटना से संबंधित एनआईए की जांच के मामले की भी सुनवाई करेगी, जहां एसआईआर न्यायनिर्णय में लगे न्यायाधीशों को घेरा गया था और धमकाया गया था। अदालत के सूत्रों के अनुसार, कल पूर्व न्यायाधीशों ने कोलकाता के जोका स्थित श्यामा प्रसाद मुखर्जी संस्थान का दौरा किया, जहां न्यायाधिकरण की बैठक होगी। 19 बेंचों में से अधिकांश आज से अपना काम शुरू कर रही हैं।

महिला आरक्षण विधेयक पर जॉन ब्रिटान का सवाल, बोले— चुनाव से पहले सरकार की क्या है मंशा ?

कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी) के सांसद जॉन ब्रिटान ने केंद्र सरकार द्वारा महिला आरक्षण विधेयक को लागू करने के लिए उठाए जा रहे त्वरित कदमों पर कई सवाल उठाए हैं।



विधेयक को शामिल करने का समर्थन करते हुए ब्रिटान ने तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनावों से ठीक पहले सरकार के इस कदम के समय और उद्देश्यों पर सवाल उठाए। सोमवार को बोलते हुए ब्रिटान ने कहा कि हम प्रशासनिक जी को पत्र लिखने के लिए धन्यवाद देते हैं। मुझे भी उनका पत्र मिला है। हम महिलाओं के अधिकारों के लिए हमेशा से आवाज उठाते रहे हैं। दशकों से हम राज्य विधानसभाओं और लोकसभा में महिलाओं के लिए आरक्षण चाहते रहे हैं। लेकिन कुछ मुद्दे सामने आ गए हैं। 16 अप्रैल से शुरू होने वाले लोकसभा सत्रों में पारित होने वाले संशोधनों पर सरकार का वास्तविक रुख क्या है? हमें इसकी कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने आगे बताया कि विपक्षी दलों ने बार-बार सर्वदलीय बैठक बुलाने का अनुरोध किया है और चुनाव प्रक्रिया समाप्त होने तक विशेष सत्रों को स्थगित करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि सभी विपक्षी दलों ने सरकार से औपचारिक रूप से अनुरोध किया था कि कृपया प्रस्ताव पर फिर से विचार करें और इस सत्र या विशेष सत्रों को विधानसभा सत्रों के समापन तक स्थगित कर दें, जो अभी चल रहे हैं। पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में विधानसभा चुनावों के बीच सरकार इन संशोधनों को जल्दबाजी में पारित कराना चाहती है।

ब्रिटान ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार लोकसभा और राज्य विधानसभाओं की सीटों में 50: की वृद्धि करने का इरादा रखती है, जिससे संघीय संतुलन बिगड़ जाएगा। उन्होंने कहा कि तथाकथित महिला आरक्षण के अलावा, सरकार परिसीमन को भी इसमें शामिल करना चाहती है। सरकार लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में सीटों की संख्या में 50: की वृद्धि करने का इरादा रखती है। इसका सीधा मतलब है कि संघीय संतुलन पूरी तरह बिगड़ जाएगा। सरकार के इस इरादे से कई मुद्दे जुड़े हुए हैं।

सुप्रीम कोर्ट से लालू यादव को बड़ा झटका

पटना। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने कथित जमीन के बदले नौकरी घोटाले में आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के खिलाफ सीबीआई सुदरेश और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने हालांकि करने से इनकार कर दिया, जिससे बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री को कानूनी झटका लगा। सर्वोच्च न्यायालय ने इस मामले में यादव और उनके परिवार के कई सदस्यों के खिलाफ एफआईआर और संबंधित कार्यवाही रद्द करने की उनकी याचिका खारिज कर दी। हालांकि, न्यायालय ने उन्हें कार्यवाही के

दौरान निचली अदालत में व्यक्तिगत रूप से पेश होने से छूट दे दी। न्यायमूर्ति एम एम सुदरेश और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने हालांकि बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री यादव (77) को सुनवाई के दौरान निचली अदालत में पेश होने से छूट दे दी। सर्वोच्च अदालत ने यादव को परिवार के कई सदस्यों के खिलाफ एफआईआर और संबंधित व्यावहारिकता का मुद्दा उठाने की अनुमति दी। इससे पहले दिल्ली उच्च न्यायालय ने 24 मार्च को

राजद प्रमुख को एक बड़ा झटका देते हुए उनके और उनके परिवार से जुड़े "जमीन के बदले नौकरी" मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दर्ज प्राथमिकी रद्द करने से इनकार कर दिया था। अदालत ने राजद प्रमुख लालू प्रसाद की इस दलील को खारिज कर दिया था कि एजेंसी की कार्यवाही कानूनी रूप से टिकाऊ नहीं, क्योंकि भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17ए के तहत पूर्व अनुमति नहीं ली गई थी।



₹12,000 करोड़ की लागत से निर्मित

दिल्ली-उत्तर प्रदेश-उत्तराखंड को जोड़ने वाले दिल्ली-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर का राष्ट्र को समर्पण



द्वारा
नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

दिनांक : 14 अप्रैल, 2026 | समय : अपराह्न 12:30 बजे | स्थान : देहरादून, उत्तराखंड (सहारनपुर में वर्चुअल माध्यम से संबोधन)

कनेक्टिविटी की क्रांति

212.98 कि.मी. लंबे दिल्ली-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर का 190.39 कि.मी. भाग उत्तर प्रदेश में मौजूद। सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर एवं बागपत की हाईस्पीड कनेक्टिविटी। एक्सप्रेस कंट्रोल 6 लेन दिल्ली-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर से दिल्ली से देहरादून की यात्रा 6 घंटे से घटकर लगभग 2.5 घंटे में होगी पूरी। उत्तर प्रदेश में 13.42 कि.मी. लंबा एलिवेटेड कॉरिडोर एवं 12 कि.मी. लंबा वाइल्ड लाइफ फ्रेंडली कॉरिडोर। लिंक एक्सप्रेसवे के माध्यम से दिल्ली-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर की दिल्ली-मेरठ, दिल्ली-मुंबई एवं दिल्ली-कटरा एक्सप्रेसवे से सीधी कनेक्टिविटी

गरिमायुती उपस्थिति

आनंदीबेन पटेल
राज्यपाल, उत्तर प्रदेश

योगी आदित्यनाथ
मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

केशव प्रसाद मौर्य
उप मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

ब्रजेश पाठक
उप मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

पंकज चौधरी
राज्य मंत्री
वित्त, भारत सरकार

सुनील कुमार शर्मा
मंत्री, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी, उत्तर प्रदेश

जसवन्त सिंह सैनी
राज्य मंत्री, संसदीय कार्य तथा औद्योगिक विकास, उत्तर प्रदेश

बृजेश सिंह
राज्य मंत्री
लोक निर्माण, उत्तर प्रदेश

वाई.पी. सिंह
अध्यक्ष
यूपी सिंडिको

माणेराम चौधरी
अध्यक्ष, जिला पंचायत, सहारनपुर

डॉ. अजय कुमार
महापौर
सहारनपुर

मुकेश चौधरी
विधायक
नकुड़

राजीव गुप्तर
विधायक
सहारनपुर नगर

देवेन्द्र कुमार निम
विधायक
रामपुर मनिहारन

किरत सिंह
विधायक
गोगोह

श्रीचन्द्र शर्मा
सदस्य
विधान परिषद

सुभाष यदुवंश
सदस्य
विधान परिषद

वन्दना वर्मा
सदस्य
विधान परिषद

एवं अन्य गणमान्य महानुभाव

उत्तर प्रदेश-कनेक्टिविटी प्रदेश : 7 एक्सप्रेसवे संचालित, 15 विकास के विभिन्न चरणों में। देश के कुल एक्सप्रेसवे का 55 प्रतिशत हिस्सा उत्तर प्रदेश में मौजूद। एक्सप्रेसवे के आसपास 26 जनपदों के 27 स्थलों पर लगभग 5,300 हेक्टेयर भूमि औद्योगिक विकास हेतु चिह्नित। पीएम गति शक्ति नेशनल मास्टर प्लान लागू करने वाला अग्रणी राज्य। उत्तर प्रदेश में देश का सबसे लंबा रेल नेटवर्क (16,000 कि.मी.)। ईस्टर्न और वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर का दादरी, उत्तर प्रदेश में जंक्शन। 17 एयरपोर्ट संचालित, जिनमें 5 अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे, 7 एयरपोर्ट निर्माणाधीन। वाराणसी-हल्द्वीया राष्ट्रीय जलमार्ग का 425 कि.मी. भाग उत्तर प्रदेश में मौजूद

विकास की गति अपार-डबल इंजन सरकार

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

राष्ट्र प्रसारण DD NEWS & Youtube.com/ODNEWS



सम्पादकीय

उसमें उनकी प्रतिभा के साथ जीवटता भी शामिल रही । उन्होंने पिता दीनानाथ मंगेशकर की संगीत विरासत को समृ ही किया । ‘चुनरिया’ फिल्म से पार्श्व गायन की शुरुआत करने वाली आशा ने फिर मुड़कर नहीं देखा । वे लता के एकछत्र राज्य के बावजूद कई संगीतकारों की पहली पसंद बनी । उन्हें उस दौर के बड़े संगीतकारों व बड़े बैनरों के साथ काम करने के भी अवसर मिले, बावजूद ...

हृदयाघात के चलते करोड़ों संगीत प्रेमियों को भले ही आशा भोसले अलविदा कह गई हों लेकिन विविधता लिए सुरीले गीत सदियों तक संगीत प्रेमियों के दिल–दिमाग में गूंजते रहेंगे । 8 सितंबर 1933 को जन्मी आशा भोसले नब्बे साल तक लगातार गाती रहीं । आशा के सुरीले गीतों ने देश–दुनिया के करोड़ों दिलों को छुआ । उनकी कर्णप्रिय धुनों वाले गीतों में जीवन का एक उल्लास रहा है । तभी नब्बेवें जन्मदिन पर लगातार तीन घंटे संगीत कार्यक्रम प्रस्तुत करके वे नया रिकॉर्ड दर्ज कर गईं । जीवनपर्यंत गाने का संकल्प करने वाली आशा ने हिंदी समेत तमाम भारतीय भाषाओं के गीत गाए । व्यक्तित्व की जीवटता उनके गीतों में भी शिद्दत से मौजूद रही । व्यवहार में मुखरता, गीतों में मस्ती और बेबाक हाजिरजवाबी उनका विशिष्ट गुण था । एक संगीत साधक परिवार में जन्मी आशा ने छोटी उम्र से गाना शुरु किया और अपने गायन में विविधता को लगातार विस्तार दिया । यह विश्वास कर पाना कठिन है कि एक गायिका क्लासिक गीतों से लेकर पॉप,जैज,गजल तथा कव्वाली गाने में भी पारंगत हो सकती है । निस्संदेह, बॉलीवुड व गायकी की दुनिया, उनकी जिंदादिली व गायकी के उल्लासमय अंदाज को सदैव याद रखेंगी । अच्छे गीतकार, सधे संगीतकारों के गीत को अपने खास अंदाज से वे बेहतरीन व कालजयी बना देती थीं । इस तरह मोहम्मद रफी, मुकेश व किशोर कुमार के क्रम में आशाजी का जाना भारतीय गीतमाला के एक युग का अवसान भी है । लेकिन इस महान प्लेबैक



संघर्ष भी साथ—साथ चला । निजी फैसलों ने भी मंगेशकर परिवार में असहज स्थिति पैदा की । इससे उनके कैरियर की गति बाधित हुई । कालांतर ‘बूट पॉलिश’ व ‘परिणीता’ के गीतों की सफलता के बाद ओपी नैयर के सान्निध्य में उनके कैरियर को नई दिशा मिली । उनकी कामयाबी से देश परिचित है । उनके जाने से पैदा हुआ शून्य सदैव अखरता रहेगा ।

पौराणिक पर्व पर उत्साह-उमंग के अनेक त्योहार

13 मार्च, 1940 को कैंक्सटन हथ्रल, लंदन में जब माइकल ओ’डश्वर एक सभा को सम्बोधित कर रहे थे उधम सिंह ने उसको मौत के घाट उतार कर जलियांवाला बाग नरसंहार का बदला लिया । 31 जुलाई, 1940 को उधम सिंह को माइकल ओ’डश्वर की हत्या के आरोप में फांसी दे दी गई । बैसारखी का त्योहार सामाजिक, धार्मिक और ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण है । यह सामाजिक समरसता, एकता, धर्मनिरपेक्षता...

बैसाखी का त्योहार सामाजिक समरसता, एकता, धर्मनिरपेक्षता, बलिदान और समर्पण का प्रतीक है । 2016 में यूनेस्को ने इसे मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची में शामिल किया । बैसाखी, वैशाख माह का प्रसिद्ध धार्मिक त्योहार है । यह वैशाख सौर मास का प्रथम दिन होता है । इस दिन सूर्य मेष राशि में संक्रमण करता है । इसलिए बैसाखी को मेष संक्रान्ति व विषुवत संक्रान्ति के नाम से भी संबोधित किया जाता है । बैसाख (वैशाख) के प्रथम दिन अनेक क्षेत्रों में ‘सोलर नववर्ष के त्योहार जैसे जुड़ शीतल, पोहेला बोशाख, बोहाग बिहू, विशु, व पुषण्डु भी मनाया जाता है । मान्यता अनुसार 13 अप्रैल, 1699 को दसवें गुरु, गुरु गोबिंद सिंह द्वारा ‘सिख धर्म’ की स्थापना की गई थी । बौद्ध धर्म के अनुयायियों द्वारा ‘बुद्ध पूर्णिमा’ को त्योहार के रूप में मनाया जाता है । पौराणिक मान्यताओं के अनुसार यह सौर कैलेंडर का प्रथम दिन है व हिंदू नववर्ष के रूप में मनाया जाता है । पौराणिक मान्यताओं के अनुसार लगभग 3000 वर्ष पूर्व राजा भागीरथ मुनि के रूप में कई वर्ष कठोर तपस्या के बाद गंगा नदी को पृथ्वी पर लेकर आए थे । इसे गंगा नदी अवतरण दिवस के रूप में मनाया जाता है । फलतः गंगा स्नान का विशेष महत्व है । इस त्योहार का कृषक बिरादरी से घनिष्ठ संबंध है । इस दिन तक रबी की फसल—गेहूँ, जौ, चना इत्यादि

कटाई के लिए तैयार हो जाती है । बैसाखी के दिन को शुभ दिन मान कर गेहूँ की कटाई करना समृद्धि का प्रतीक माना जाता है । किसान प्राकृतिक आपदाओं से बचकर फसल



पकने की खुशी मनाते हैं । इस दिन परंपरा के रूप में फसल की कटाई की जाती है । पंजाबी इस दिन उत्सव मनाते हैं । सिख धर्म में बैसाखी पवित्र व सर्वोत्तम त्योहार के रूप में मनाया जाता है । 13 अप्रैल, 1699 को आनंदपुर साहिब में सिख धर्म के दसवें गुरु, गुरु गोविंद सिंह ने पंज प्यारों को दीक्षा देकर सिख धर्म की स्थापना की थी । ये पंज प्यारे भाई दया सिंह (खत्री—लाहौर), भाई धर्म सिंह (जाट हरिनापुर यूपी), भाई हिम्मत सिंह (झीउर—जगनाथपुरी—ओडिशा), भाई मोहकम सिंह (दर्जी—द्वारका—गुजरात) व भाई साहब सिंह (नाई—बीदर—कर्नाटक) विभिन्न क्षेत्रों व जातियों से सम्बंधित थे । बैसाखी के दिन गुरु

गोविंद सिंह ने जब हिन्दू धर्म रखा हेतु पांच शीष मांगे तो यह पांचों बहादुर अनुयायी बिना विलम्ब तैयार हो गए । गुरुजी ने इनको अमृतपान कराया और सिंह की उपाधि देकर, सिख की एक विशेष पहचान निश्चित करते हुए पांच ‘क’कृकस, कंधा, कड़ा, कछेरा व कृ पाण धारण करने का संदेश दिया । तब से बैसाखी पवित्र त्योहार रूप में मनाया जाने लगा । बैसाखी को भारत के विभिन्न भागों में अलग—अलग नाम से मनाया जाता है । उदाहरण के तौर पर उत्तराखंड में ‘बिखोती’ का महत्व है । उत्तराखंड के निवासी हरिद्वार व ऋषिकेश में गंगा नदी में स्नान को पवित्र मानते हैं । असम में ‘बोहाग’, ‘बिहू’, ‘रंगली बिहू’, ‘असमिया नववर्ष’ व ‘बोहाग कैलेंडर’ के रूप में मनाया जाता है । बंगाल में 14 अप्रैल को ‘पाहेला बैसाख’ के रूप में मनाया जाता है तथा त्रिपुरा और बंगाल में शोभा यात्राएं भी निकाली जाती हैं । तमिलनाडु में पुत्थांडु, पुथुवरुषम—तमिल नववर्ष या तमिल कैलेंडर के रूप में इस त्योहार को मनाते हैं । बिहार और मिथिला क्षेत्र में इसे जुर शीतल के रूप में मनाया जाता है । भारत के पड़ोसी मुल्कों—नेपाल, बांग्लादेश और पाकिस्तान में यह त्योहार मनाया जाता है । बैसाखी के दिन, 13 अप्रैल, 1919 अमृतसर के जलियांवाला बाग में रॉलेट एक्ट का शांतिपूर्ण विरोध करने के लिए एक जनसभा आयोजित की गई, जिसमें लगभग 20,000 व्यक्ति मौजूद थे । भारतीयों की आवाज को दबाने के लिए

ब्रिगेडियर जनरल रिचार्ड डायर ने सैनिक टुकड़ी के साथ घटना स्थल पर पहुंच बिना किसी चेतावनी के गोली चलाने का आदेश दिया । परिणामस्वरूप 10 मिनट में 1650 राउंड की फायरिंग में अमृतसर के सिविल सर्जन डॉक्टर सुमित के अनुसार लगभग 1800 भारतीयों की जान चली गई थी । उधम सिंह वहां मौजूद थे और उन्होंने कसम उठाई कि वह नरसंहार का बदला लेकर रहेगा । यद्यपि वह ब्रिगेडियर जनरल रिचार्ड डायर को मौत के घाट उतारना चाहता था परंतु उसकी मृत्यु 23 जुलाई, 1927 को हो चुकी थी । 13 मार्च, 1940 को कैक्सटन हॉल, लंदन में जब माइकल ओ’डॉयर एक सभा को सम्बोधित कर रहे थे उधम सिंह ने उसको मौत के घाट उतार कर जलियांवाला बाग नरसंहार का बदला लिया । 31 जुलाई, 1940 को उधम सिंह को माइकल ओ’डॉयर की हत्या के आरोप में फांसी दे दी गई । बैसाखी का त्योहार सामाजिक, धार्मिक और ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण है । यह सामाजिक समरसता, एकता, धर्मनिरपेक्षता, बलिदान और समर्पण को बढ़ावा देता है । इसीलिए सन 2016 में संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) ने मंगल शोभा यात्रा को मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची में सम्मिलित करके इसके महत्व को और बढ़ाया है ।

लेखक दयाल सिंह कॉलेज, करनाल के पूर्व प्राचार्य हैं ।

खास बात, भारत ने चीन के मामले में यह सबक अच्छी तरह सीख लिया । यह स्वीकार कर लेना कि पाकिस्तान के मुकाबले चीन कहीं ज्यादा ताकतवर दुश्मन है—1998 में, तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ब्रजेश मिश्र ने चीन को वह वजह बताया था जिसके चलते भारत ने परमाणु शक्ति बनने की निर्णय रेखा लांघी थी—और 2020 में गलवान टकराव के ...

पश्चिम एशिया में युद्ध—विराम के बाद ‘सदाबहार रिशत’ इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता हुई । जहां पाकिस्तान अपनी हैसियत से ज्यादा भूमिका निभा रहा है, परंतु भारत अपनी क्षमता से कम क्यों रहा है? जबकि इसका मुख्य प्रतिद्वंद्वी चीन, ईरान युद्ध और शांति वार्ताओं में पाक का उपयोग कर खुद को बतौर दुनिया की सबसे बड़ी ताकत बनाने की कोशिश में है । पुराने ‘बुरे’ वक्त में, जब भारत और पाकिस्तान के आम नागरिकों को इजाजत थी कि चाहें तो लंच लाहौर में, डिनर पटियाला में, चाहें तो कराची में किसी शादी समारोह में शिरकत करें या फिर कादियां में किसी की मैयत में भाग लें । आप अक्सर ऐसी छोटी—मोटी बातों से सुना करते थे— लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से पढ़ा वह आतंकवादी उमर शेख जिसे आईसी 814 के अपहृत यात्रियों के बदले रिहा किया गया था, वह इस्लामाबाद में किताबों की मशहूर दुकान चला रहा है—कि पाकिस्तानियों को पाकिस्तान और चीन के बीच गहरे, रणनीतिक संबंधों पर खूब नाज है । वे कहते हैं ‘रू दोनों देशों का



प्रतिनिधित्व अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने किया, बुरी तरह तबाह हो चुके लेकिन फिर भी अजेय ईरानियों का नेतृत्व वहां की संसद के सभापति मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने किया । (क्योंकि या तो अली लारीजानी जैसे अधिकांश शीर्ष ईरानी नेता मारे जा चुके या घायल हैं, जैसे सुप्रिेम लीडर मोजतबा खामेनेई) और पाकिस्तान — वहीं कुछ और भी मुक्त होंगे, जिन्होंने परदे के पीछे इस फिल्म में ज्यादा अहम किरदार निभाया । चीन, रूस, इस्त्राइल, लेबनान, सऊदी अरब,

यूएई । जरा इन नामों पर नजर डालें,कि किस प्रकार आगा खान डेवलपमेंट नेटवर्क द्वारा संचालित एक होटल में वैश्विक व्यवस्था में हलचल हुई होगी—यहां बात आगा खान की, इतिहास में रुचि रखने वाले बुजुर्गों को याद होगा कि वे भारतीय थे । वार्ता कक्ष में चीन के मौजूद न होने की वजह यह है कि वह बाहर रहकर तगड़ी भूमिका निभा रहा है— यानि पाकिस्तान का साथ । चीन कई दशकों से, पाकिस्तान को संकटों से उबारता आया हैय उसके लिए सड़कें, हाईवे व बंदरगाह बनाए, और सैन्य निवेश किया, उसकी वायुसेना, उसकी परमाणु एवं मिसाइल क्षमता भी विकसित करवाई— यह इस्लामाबाद के एफ—6 इलाके के एक रेस्तरां में कॉफी पीते हुए, पाकिस्तानी भी कबूलते हैं कि अपने ‘सदाबहार दोस्त’ के लिए पाकिस्तान महज ग्राहक राष्ट्र है । लेकिन यदि पाकिस्तान के संबंधित पक्षों से रिश्ते बढ़िया न होते तब चीन शांति वार्ता में इतनी अहम भूमिका नहीं निभा पाता । यही वजह कि पश्चिम एशिया में हुए युद्ध से दो सबक हैं । पहला,विनम्र रहें, घमंडी न बनें । (देंग शियाओपिंग ने अपने दिशा—निर्देश श्ताओगुआंग यांगहुइश् के जरिए इसे खूबसूरती से समझाया था — श्अपनी ताकत छिपाकर रखें और सही समय का इंतजार करेंश । केवल अमेरिका व इस्त्राइल ही नहीं जिन्हें अपने से कहीं ज्यादा कमजोर ईरान के सामने झुकने को विवश होना पड़ा । बात पड़ोस की करें तो, जैसे विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने पाकिस्तान को ‘दलाल’ कहकर

कटाक्ष किया, इससे अब भारत को असहज स्थिति का सामना करना पड़ सकता हैय क्योंकि वही ‘दलाल’ बीते कुछ दशकों की सबसे अहम वैश्विक वार्ताओं में से एक में बिचौलिए की भूमिका निभा रहा है । मीडिया जगत में मेरे कई साथी भी इस बारे असमंजस में हैं कि आज पाकिस्तान की भूमिका का वर्णन कैसे किया जाएकृपया वह शक्तिशाली मध्यस्थ है? एक महत्वहीन संदेशवाहक? कोई अप्रत्यक्ष सहयोगी? या फिर हाशिए पर आता एक कमजोर राष्ट्र, जो अकाल, युद्ध एवं आतंकवाद की मार झेल रहा है? कदाचित या तो उस पर उक्त तमाम विशेषण लागू होते हैं या फिर एक भी नहीं । अब जबकि धुंधरें—2 बॉक्स ऑफिस पर 1,000 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर चुकी है, शायद उस समय असली सवाल बनता है कि यदि हमें पाकिस्तान से नफरत होनी चाहिए, तब फिर उसको लेकर इतना जुनून क्यों? पश्चिम एशिया युद्ध से मिलने वाला दूसरा सबक है कि भारत और पाकिस्तान जै से ‘द्वितीय श्रेणी’ राष्ट्र किसी एक पक्ष के पाले में होना गवारा नहीं कर सकते । लगता है, पश्चिम

एशिया संकट से भारत ने यह सबक सीख लिया य क्योंकि शुरु में इस्त्राइल की ओर झुकाव के बाद, अब तटस्थता वाले केंद्र—बिंदु की ओर सरकने की कोशिश हो रही है । यही वजह है, यह बात दिमाग को कचोटती है कि जिस दिन पाकिस्तान, ईरान और अमेरिका के बीच युद्धविराम कराने में बिचौलिए की भूमिका निभा रहा था, ठीक उसी दिन विदेश मंत्री जयशंकर संयुक्त अरब अमीरात में क्यों मौजूद थे— जबकि इस युद्ध दौरान संयुक्त अरब अमीरात, ईरान के निशाने पर रहने वाले पसंदीदा लक्ष्यों में से एक थाय क्योंकि उसे बतौर अमेरिका के सहयोगी देखा जा रहा था और नतीजतन इस्त्राइल को भी ।



बाबा साहब के आदर्शों पर चलने का संकल्प, जयंती की पूर्व संध्या पर हुआ श्रमदान

दैनिक बुद्ध का संदेश
सोनभद्र। सदर विकास खंड के जैत गांव स्थित अंबेडकर पार्क में संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती की पूर्व संध्या पर सोमवार को विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। किसान मोर्चा के महामंत्री नारसिंह पटेल के नेतृत्व में भाजपा पदाधिकारियों और ग्रामीणों ने सामूहिक श्रमदान कर अंबेडकर प्रतिमा और पूरे परिसर की साफ-सफाई की। इसके बाद सभी ने पुष्प अर्पित कर बाबा साहब को नमन किया और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने बाबा साहब के योगदान को याद करते हुए कहा कि उन्होंने

फार्मर रजिस्ट्री पंजीकरण हेतु ग्राम पंचायतों में विशेष कैंप, 15 अप्रैल तक चलेगा अभियान

दैनिक बुद्ध का संदेश
सोनभद्र। जनपद में किसानों को सरकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ दिलाने के उद्देश्य से फार्मर रजिस्ट्री पंजीकरण का विशेष अभियान चलाया जा रहा है। जिलाधिकारी श्री बी.एन. सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि माननीय मुख्यमंत्री जी के निर्देश के क्रम में यह अभियान 15 अप्रैल 2026 तक जनपद की समस्त ग्राम पंचायतों में संचालित किया जा रहा है। जिलाधिकारी ने बताया कि जिन .षक बंधुओं ने अभी तक अपना फार्मर रजिस्ट्री पंजीकरण नहीं कराया है, उनके लिए गांव-गांव में विशेष कैंप लगाए जा रहे हैं। इन कैंपों के माध्यम से किसानों का पंजीकरण सरल, त्वरित एवं पारदर्शी तरीके से किया जा रहा है, जिससे उन्हें किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि फार्मर रजिस्ट्री में पंजीकरण कराना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि इसके आधार पर ही किसानों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सकेगा। पंजीकरण न होने की स्थिति में .षक बंधु योजनाओं के लाभ से वंचित रह सकते हैं। जिलाधिकारी ने सभी किसानों से अपील की है कि वे अपने नजदीकी ग्राम पंचायत में आयोजित कैंप में पहुंचकर आवश्यक दस्तावेजों के साथ अपना पंजीकरण अनिवार्य रूप से कराएं। साथ ही संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि अभियान को समयबद्ध एवं प्रभावी ढंग से संचालित करते हुए अधिक से अधिक किसानों का पंजीकरण सुनिश्चित किया जाए।

अन्नपूर्णा शाप का विधायक ने किया उद्घाटन

दैनिक बुद्ध का संदेश
करमा/सोनभद्र। विकास खण्ड करमा के जोगिनी ग्राम पंचायत में सोमवार को घोरावल विधायक डॉ. अनिल कुमार मोर्य ने नव निर्मित अन्नपूर्णा भवन एवं प्रेरणा शॉप का फीता काटकर उद्घाटन किया। उक्त अवसर पर जनता को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा गरीब, नौजवान, किसान एवं महिलाओं के लिए काम कर रही है। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए तमाम योजनाएं चला रही है कहा कि गावो मे महिलाएं समूह बनाकर उनको रोजगार करने के लिए धन उपलब्ध करा रही है। वे अपना उत्पाद तैयार करें उसकी बिक्री करवाने की व्यस्था की जाएगी। किसानों को मु्त बिजली, सम्मान निधि, समेत कई अन्य योजनाएं चलाई जा रही हैं। 2047तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में काम चल रहा है। सूर्यमणि त्रिपाठी ने कहा कि भाजपा गावो के विकास के लिए कटिबद्ध है गांव का विकास होगा तभी देश का विकास होगा। खण्ड विकास अधिकारी गुरुशरन श्रीवास्तव ने कहा कि शासन द्वारा जारी जन कल्याणकारी योजनाओं को जन जन तक पहुंचाने का काम किया जा रहा है। कार्य क्रम का संचालन आनंद सिंह ने किया। उक्त अवसर विधायक प्रतिनिधि सुरेन्द्र कुमार मोर्य, प्रधान रत्नेश कुमार सिंह,ए. डी, ओ, पंचायत, बृजेश कुमार सिंह, सचिव ऋषि कुमार, छोटे डाल, रोहित कुमार सिंह, मंडल अध्यक्ष सीमा गुप्ता, समेत काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

रामनरेश हत्याकांड में दो अभियुक्त गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश
सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे हैं अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक अनिल सिंह के निर्देशान तथा पुलिस क्षेत्राधिकारी राहुल पांडे की अनुवाई में घोरावल पुलिस द्वारा घोरावल कोतवाली क्षेत्र के बरदिया गांव से दो अभियुक्तों को गिरतार किया गया। विगत मंगलवार की रात रामनरेश बैसवार 43 वर्ष की हत्या की प्रकरण में दो अभियुक्तों को गिरतार कर चालान किया गया। प्राप्त सूचना के अनुसार सोमवार की सुबह घोरावल कोतवाली क्षेत्र के बर्दिया ग्राम स्थित तालाब के पास से अजय प्रजापति पुत्र रामजतन निवासी ग्राम बर कन्हरा, कोतवाली घोरावल सोनभद्र ,टीकम प्रजापति पुत्र श्यामलाल निवासी ग्राम भुईधरवा थाना गढ़वा जिला सिंगरौली को गिरतार किया गया। जबकि एक अन्य अभियुक्त संजय मोर्य की तलाश जारी है ।ज्ञात हो कि पिछले मंगलवार को घोरावल कोतवाली क्षेत्र के बर कन्हरा ग्राम निवासी रामनरेश उर्फ बहादुर बैसवार उम्र 43 वर्ष की लाश गांव में खेत में प्राप्त हुई थी। मृतक के भाई राम अवतार द्वारा हत्या की आशंका व्यक्त करते हुए तीन लोगों के विरुद्ध नाम जद मुकदमा दर्ज कराया गया था जिसमें घोरावल कोतवाली

साहब ने सामाजिक अन्याय के खिलाफ जो संघर्ष किया, वह



आज भी प्रासंगिक है। उनका जीवन हमें अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने की प्रेरणा देता

अधिवक्ताओं ने जयंती के पूर्व संध्या पर डॉक्टर भीमराव अंबेडकर को किया याद

दैनिक बुद्ध का संदेश
सोनभद्र। रॉबर्ट्सगंज कचहरी परिसर स्थित डीबीए भवन में सोमवार को डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र द्वारा जयंती की पूर्व संध्या पर बाबा साहब डॉक्टर भीमराव आंबेडकर को याद किया गया। अधिवक्ताओं ने बाबा साहब के कार्यों को याद करते हुए उनके मार्ग का अनुशरण करने का संकल्प लिया। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह एडवोकेट ने सर्वप्रथम बाबा साहब की प्रतिमा/ मूर्ति पर माल्यार्पण किया। सभी अधिवक्ताओं ने भी पुष्प अर्पित किया। अध्यक्ष जी ने केक काटकर एक दूसरे को केक खिलाकर बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की धूमधाम से जयंती मनाई। पूर्व अध्यक्ष जगजीवन सिंह एडवोकेट ने कहा कि अंबेडकर जयंती का

पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष समेत कई के खिलाफ मुकदमा दर्ज के विरोध में सपाइयों ने जिलाधिकारी को सौपा ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का संदेश
सोनभद्र। समाजवादी पार्टी जिला अध्यक्ष राम निहोर यादव ने कहा कि जिन से केंद्र एवं प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी है तब से जनपद में अवैध खनन एवं माफियाओं का बोलबाला चरम सीमा पर है । इस सरकार में गरीबों का कोई सुनने वाला नहीं है । श्री यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी के पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष अनिल कुमार यादव एवं अन्य पर हुए फर्जी मुकदमों को यदि वापस नहीं लिया गया तो समाजवादी पार्टी बृहद आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी जिसकी सारी जिम्मेदारी

पुलिस द्वारा अभियुक्तों के गिरतारी के लिए दबीस दी जा रही थी। सोमवार की भोर वर्दियां ग्राम स्थित तालाब के पास से दो लोगों को गिरतार कर चालान किया गया ।इस संबंध में कोतवाली प्रभारी निरीक्षक बृजेश कुमार सिंह ने बताया कि हत्या शराब की दुकान पर कहां सनी के कारण की गई थी जिसमें दो लोगों को गिरतार किया गया है तथा एक अन्य की तलाश की जा रही है। गिरतारी करने वाली टीम में प्रमुख रूप से कोतवाली प्रभारी निरीक्षक बृजेश सिंह शिवद्वार चौकी प्रभारी उप निरीक्षक कविंद्र यादव ,हेड कांस्टेबल रणजीत सिंह, रामनारायण, महेंद्र कुमार रहे।

है। किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष यादवेंद्र दत्त द्विवेदी ने कहा कि

पहुंच रहे हैं और लोगों को जागरूक कर रहे हैं। किसान मोर्चा के महामंत्री नारसिंह पटेल ने कहा कि बाबा साहब केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक विचारधारा हैं, जिन्होंने समाज के सबसे कमजोर वर्ग को भी आत्मसम्मान के साथ जीने का अधिकार दिलाया। उनका जीवन हमें यह सिखाता है कि शिक्षा और जागरूकता ही बदलाव का सबसे बड़ा माध्यम है। जिला कार्य समिति सदस्य अनूप तिवारी ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने और नई पीढ़ी को प्रेरित करने का माध्यम हैं। वहीं किसान मोर्चा के जिला मंत्री अभय दुबे ने कहा कि बाबा साहब

अधिवक्ताओं ने जयंती के पूर्व संध्या पर डॉक्टर भीमराव अंबेडकर को किया याद



अप्रैल 1928 को पुणे में अंबेडकरवादी और सामाजिक कार्यकर्ता जनार्दन सदाशिव राणापिसे द्वारा किया गया था, जिन्होंने बाबासाहेब की जयंती मनाने की परंपरा की शुरुआत की। स्थानीय स्तर पर शुरू हुआ यह आयोजन अब राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर मनाया जाने

पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष समेत कई के खिलाफ मुकदमा दर्ज के विरोध में सपाइयों ने जिलाधिकारी को सौपा ज्ञापन



समाजवादी पार्टी सांसद छोटेलाल सिंह खरवार ने कहा कि माफियाओं द्वारा जनपद में अवैध खनन कराया जा रहा है जिसकी उच्च स्तरीय जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्यवाही किया जाए नहीं तो इस मामले में को लेकर

क्रिकेट टूर्नामेंट के दूसरे दिन समाज सेवी प्रमोद सिंह ने किया उद्घाटन



है। पहला मैच भरकवाहऔर पगिया के बीच हुआ पगिया की टीम ने टास जीतकर फील्डिंग करने का निर्णय किया ।भर कवाह की टीम ने बल्लेबाजी करते हुए 8 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 93 रन का लक्ष्य रखा। जिसके जवाब में उत्तरीपगिया की टीम ने 8 ओवर में 7विकेट के नुकसान पर 79 रनों पर ही सिमट गई। भरकवाह की टीम विजई हुई। इसके बाद पांच टीमों का मैच कराया गया। अंपायर की भूमिका सूर्य प्रकाश तिवारी, दिलीप कुमार तिवारी ने निभाई ।कमेंटेटर अजीत कुमार सिंह रहे। आयोजक अवनीश कुमार उर्फ गिरीश नेअतिथियों का सम्मान करते हुए खिलाड़ियों का उस्ताह वर्धन किया। कार्यक्रम का संचालन ब्रह्मानंद त्रिपाठी ने किया।

के बताए रास्ते पर चलकर ही समरस समाज की स्थापना संभव है। पूर्व जिला मंत्री सुनील सिंह ने शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि बाबा साहब ने शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का सबसे बड़ा हथियार बताया। जैत के पूर्व प्रधान गुलाब ने कहा कि गांव स्तर पर इस तरह के आयोजन से सामाजिक एकता मजबूत होती है और लोगों में जागरूकता बढ़ती है। कार्यक्रम के अंत में ग्रामीणों के बीच मिष्ठान वितरण किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण, युवा और भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे और सभी ने बाबा साहब के सपनों का समतामूलक भारत बनाने का संकल्प लिया।

अधिवक्ताओं ने जयंती के पूर्व संध्या पर डॉक्टर भीमराव अंबेडकर को किया याद

को न केवल बोलने का अधिकार हो, बल्कि वोट देने का भी अधिकार हो। अंबेडकर जयंती इस बात की याद दिलाती है कि उस दूर,ष्टि ने भारत को कितनी ऊंचाइयों तक पहुंचाया है, और अभी भी उसे कितनी दूर जाना बाकी है। जयंती कार्यक्रम की अध्यक्षता डीबीए अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह एडवोकेट व संचालन महामंत्री राजेंद्र कुमार यादव एडवोकेट ने किया। जयंती के अवसर पर हीरालाल पटेल, पवन कुमार सिंह,राजेश कुमार यादव, प्रेम प्रताप विश्वकर्मा, प्रदीप कुमार मोर्य, पंकज यादव, विजय प्रकाश शुक्ला,महेंद्र आर्य, रविंद्र पटेल ,आ.ति निर्मया, शांति वर्मा, कामता यादव,सरस्वती देवी, द्वारिका प्रसाद नागर, चंद्र प्रकाश सिंह, सुरेश सिंह कुशवाहा, दसरथ यादव, सुमन, रामचंद्र भारत आदि लोग मौजूद रहे।

पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष समेत कई के खिलाफ मुकदमा दर्ज के विरोध में सपाइयों ने जिलाधिकारी को सौपा ज्ञापन

तक आंदोलन करेगी । ज्ञापन सौपने वालों में मुख्य रूप पूर्व जिला अध्यक्ष संजय यादव विजय यादव मोहम्मद सईद कुरैशी अनिल प्रधान वेदमणी शुक्ला अशोक पटेल गीता गौर हिदायत उल्ला खान जयप्रकाश उर्फ चेक्कू पांडे सुरेश यादव त्रिपुरारी गौड़ सुनील गौड़ डॉक्टर लोपति सिंह पटेल परमेश्वर यादव सरदार पारब्रम्ह सिंह .पा शंकर चौहान सत्यम पांडे डॉक्टर केडी सिंह पटेल विवेक सिंह पटेल अतुल दुबे सूरज मिश्रा राजेश नागेंद्र भारती देवनारायण पप्पू कोल लालबरत यादव प्रदीप रोशन लाल अजीत कुमार रविंद्र के साथ दर्जनों कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहें ।

हत्या प्रकरण में घोरावल पुलिस की बड़ी कार्रवाई 02 वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश
सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में जनपद में वांछित अभियुक्तों की गिरतारी हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक श्री अनिल कुमार एवं क्षेत्राधिकारी घोरावल राहुल पाण्डेय के निकट पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक घोरावल के कुशल नेतृत्व में थाना घोरावल पुलिस द्वारा प्रभावी कार्यवाही की गई। इसी क्रम में 13.04.2026 को थाना घोरावल पुलिस टीम द्वारा बर्दिया पोखरा के पास, ग्राम बर्दिया क्षेत्र से थाना घोरावल पर पंजी.तु.म0अ0सं0 73 /26 धारा 103(1) बीएनएस व 3(2)ट एससी /एसटी एक्ट से संबंधित 02 वांछित अभियुक्तों को समय करीब 04रु55 बजे गिरतार किया गया। गिरतारी के उपरांत अभियुक्तों के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

पुलिस अधीक्षक द्वारा जनसुनवाई में आमजन की समस्याओं का संवेदनशील श्रवण, त्वरित एवं पारदर्शह निस्तारण के निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश
सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा पुलिस कार्यालय



में आयोजित ‘जनसुनवाई/ जनता दर्शन’ कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए नागरिकों की शिकायतों को गंभीरता, संवेदनशीलता एवं पूर्ण तत्परता के साथ सुना गया। कार्यक्रम के दौरान राजस्व प्रकरणों एवं अन्य पुलिस संबंधी मामलों से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुईं। पुलिस अधीक्षक महोदय ने प्रत्येक प्रकरण का स्वयं संज्ञान लेते हुए संबंधित क्षेत्राधिकारी एवं थाना प्रभारियों को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु स्पष्ट निर्देश प्रदान किए। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी शिकायतों की गुणवत्तापूर्ण एवं तथ्यपरक जांच की जाए तथा पीड़ितों को की गई कार्यवाही से समय पर अवगत कराया जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही, विलंब या उत्पीड़न पाए जाने पर कठोर कार्यवाही की चेतावनी भी दी गई। जिन मामलों में त्वरित हस्तक्षेप आवश्यक है, उनमें तत्काल विधिक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जनसुनवाई कार्यक्रम पुलिस और जनता के मध्य विश्वास, संवाद एवं पारदर्शिता को सु.ढ़ करने का प्रभावी माध्यम है। आमजन की समस्याओं का त्वरित, निष्पक्ष एवं संतोषजनक समाधान ही पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

मिर्जापुर में अधिवक्ता साथी की गोली मारकर की गई हत्या पर वकील बिफरे

दैनिक बुद्ध का संदेश
सोनभद्र। सोनभद्र बार एसोसिएशन सोनभद्र के अधिवक्ताओं



द्वारा जनपद मिर्जापुर में अधिवक्ता साथी की गोली मारकर की गई हत्या पर सोमवार को अधिवक्ता बिफर उठे। कलेक्ट्रेट पहुंच अपराधियों पर सख्त से सख्त कार्यवाही करने, मृतक आश्रित परिवार को एक करोड़ रुपये मुआवजा दिलाने के साथ ही तत्काल अधिवक्ता प्रोटेक्शन एक्ट लागू किए जाने के बावत महामहिम राष्ट्रपति महोदय को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा गया। सोनभद्र बार एसोसिएशन सोनभद्र के अध्यक्ष अशोक प्रसाद श्रीवास्तव ने कहा कि अधिवक्ताओं के सुक्ष्मा की गारंटी होनी चाहिए। यह तभी संभव होगा जब अधिवक्ता प्रोटेक्शन एक्ट लागू होगा। उन्होंने कहा कि मिर्जापुर के अधिवक्ता साथी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। आखिरकार परिवार के लोगों का इसमें क्या कसूर है। इनकी परवरिश के लिए एक करोड़ रुपये मुआवजा दिलाया जाए। इस मौके पर महामंत्री योगेश कुमार द्विवेदी एड, कोषाध्यक्ष बंशीधर पाण्डेय एडवोकेट, वरिष्ठ उपाध्यक्ष गोविन्द प्रसाद मिश्र एड, गीता गौर एड, शालिनी पाण्डेय एड, अनुज अवस्थी एड, कुणाल सिंह एड, राघवेंद्र तिवारी एड, अविनाश एड समेत अन्य अधिवक्ता साथी मौजूद रहे।

हर घर नल योजना का गांव में नहीं पहुंच रहा पानी

दैनिक बुद्ध का संदेश
सोनभद्र। हर घर नल योजना का पानी गर्मियों के साथ साथ लोगों को घर नहीं पहुंच रहा है बताया जा रहा विगत कई दिनों से जहां पानी पहुंच रहा है वहां भी पानी नहीं पहुंच पा रहा है जिसको लेकर ग्रामीणों में आक्रोश है आक्रोशित ग्रामीणों ने सम्बन्धित का ध्यान आ.ष्ट कराते हुए कार्यवाही की मांग की है। विकास खंड बभनी के बभनी ,असनहर, पोखरा , चौनपुर सहित दर्जनों गांव है जहां पानी नहीं पहुंच रहा हैऔर जहां आपूर्ति हो रही है वहां भी पानी समय पर नहीं मिल रहा है पानी आपूर्ति के लिए विभाग द्वारा कोई अभी तक निर्धारित समय नहीं बना । गर्मियों के साथ लोगों को पानी की किल्लत शुरू हो गया ।इसके साथ ही हर घर नल योजना के तहत भी हो रहा आपूर्ति भी विभाग कुछ दिनों से प्रभावित हैं ।जिसको लेकर ग्रामीणों में आक्रोश है पोखरा के बसकढ़ा गांव में ग्रामीणों को कनेक्शन के बाद भी आज तक पानी नहीं मिल पा रहा है। अधिकारियों द्वारा लगातार आपूर्ति ठीक करने का आश्वासन दिया जा रहा लेकिन आजतक आपूर्ति सुचारु रूप से नहीं हो सका। ग्रामीण राजाबाबु,दिनेश ,महेश , सुखदेव,राजेश ने सम्बन्धित से गम्भीरता से जांच और आपूर्ति के लिए परियोजना प्रबंधक प्रहलदा कुमार ने बताया कि सप्लाई में कुछ दिक्कत आई थी अब ठीक हो गया है जहां जहां आपूर्ति नही है कनेक्शन कर आपूर्ति किया जा रहा है।

मृणाल ठाकुर—अदिवी शेष की फिल्म डकैत ने दूसरे दिन किया धमाल, कर लिया इतना बॉक्स ऑफिस कलेक्शन



मृणाल ठाकुर और अदिवी शेष की फिल्म डकैत 10 अप्रैल को रिलीज हुई है। फिल्म को शानदार रिव्यूस मिल रहा है। आइए नजर डालते हैं फिल्म के कलेक्शन पर।

सैकनलिक के मुताबिक फिल्म ने दूसरे दिन 7 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है। फिल्म को 28.5 परसेंट की ऑक्यूपेंसी मिली है। फिल्म 3,734 शोज पर रिलीज हुई है। फिल्म दो भाषा में रिलीज हुई है। दूसरे दिन हिंदी में फिल्म ने 1.4 करोड़ और तेलुगू में फिल्म ने 5.6 करोड़ का कलेक्शन किया है। फिल्म के दूसरे दिन के कलेक्शन के आंकड़े ऑफिशियली सामने नहीं आए हैं। पर अगर फिल्म ने दूसरे दिन 7 करोड़ की कमाई कर ली है तो फिल्म का टोटल कलेक्शन 13.55 करोड़ हो गया है। बता दें कि फिल्म ने दिन 6.55 करोड़ का कलेक्शन किया है। पहले दिन फिल्म 3800 शोज पर रिलीज हुई। फिल्म को ओवरसीज मार्केट में शानदार रिव्यूस मिल रहा है। फिल्म ने ओवरसीज मार्केट में 9 करोड़ का बिजनेस कर लिया है। फिल्म का दुनियाभर में टोटल ग्रॉस 24.81 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है।

फिल्म की बात करें तो इसे शैलील देव ने डायरेक्ट किया है। फिल्म में अदिवी शेष, मृणाल ठाकुर और अनुराग कश्यप जैसे स्टार्स लीड रोल में हैं। ये एक एक्शन—रोमांटिक ड्रामा है। फिल्म पहले 19 मार्च में रिलीज होने वाली थी। लेकिन धुरंधर 2 के चलते फिल्म को पोस्टपोन कर दिया गया था। अब 10 अप्रैल को फिल्म रिलीज हो गई है। इस फिल्म में मृणाल और अदिवी की लव स्टोरी दिखाई गई।

डकैत को पॉजिटिव रिव्यूज मिल रहे हैं। सुपरस्टार नानी ने भी फिल्म की तारीफ की। उन्होंने लिखा, सच ब्लॉकबस्टर। डकैत क्या फिल्म है। फिल्म के थिएट्रिकल एक्सपीरियंस को मिस मत कीजिए। अदिवी शानदार हैं और ये इनकी अबतक की बेस्ट है। सभी बहुत शनदार हैं। राइटिंग—स्क्रीनप्ले डिपार्टमेंट सब बेहतरीन। मृणाल ठाकुर आपने इस रोल को कितनी खूबसूरती से किया है। उनके रिव्यू पर अदिवी ने रिएक्ट भी किया। उन्होंने लिखा— थैंक्यू बड़े भई। डकैत टीम बहुत एक्साइटेट है आपके रिव्यू को पढ़कर। ये मेरे लिए एक्स्ट्रा स्पेशल है।

धुरंधर 2 ने 24वें दिन भी उड़ा दिए गर्दे, बॉक्स ऑफिस हुई पैसों की बारिश



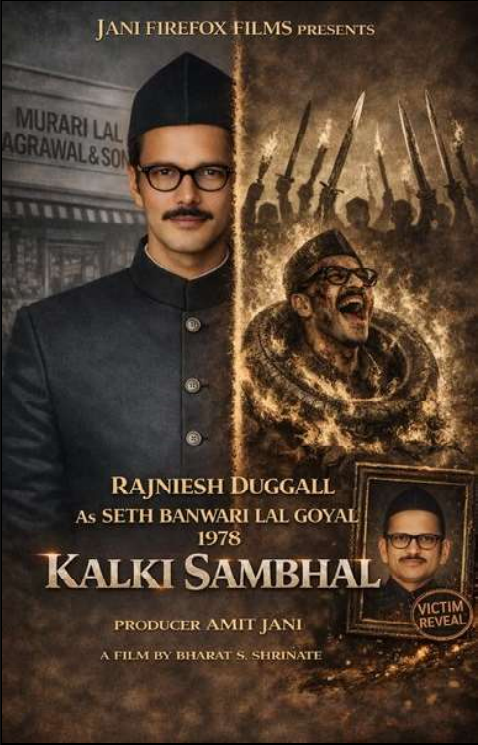
रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर 2 ने बॉक्स ऑफिस पर कब्जा बनाया हुआ है। फिल्म ताबड़तोड़ कमाई कर रही है। चौथे शनिवार को भी फिल्म ने शानदार कलेक्शन किया।

सैकनलिक के मुताबिक, फिल्म ने 24वें दिन यानी चौथेन शनिवार को 13.50 करोड़ का कलेक्शन किया। फिल्म की कमाई में ग्रोथ देखने को मिली। शुक्रवार को जहां फिल्म ने 7 करोड़ कमाए थे अब शनिवार को फिल्म उससे डबल कमाई की है। फिल्म को 24.3 परसेंट की ऑक्यूपेंसी मिली।

बता दें कि फिल्म के 24 वें दिन के कलेक्शन के आंकड़े अभी ऑफिशियल नहीं आए हैं। पर अगर फिल्म ने शनिवार को 13.50 करोड़ की कमाई कर ली है तो फिल्म का टोटल कलेक्शन 1068.92 करोड़ हो गया है। बता दें कि फिल्म ने पेड प्रिव्यूज में 43 करोड़ कमाए थे।

वहीं पहले दिन 102.55 करोड़ का कलेक्शन किया था। पहले हफ्ते में फिल्म ने 674.17 करोड़ कमाए। दूसरे हफ्ते में फिल्म ने 263.65 करोड़ का कलेक्शन किया। तीसरे हफ्ते में फिल्म ने 110.60 करोड़ का कलेक्शन किया। मालूम हो कि फिल्म ने दुनियाभर में 1691.30 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है। ओवरसीज मार्केट में फिल्म ने 411.5 करोड़ कमाए। फिल्म ने 1279.80 करोड़ का ग्रॉस कलेक्शन किया। वहीं 1068.92 करोड़ का नेट कलेक्शन किया। फिल्म की बात करें तो इसे आदित्य धर ने बनाया है। फिल्म में रणवीर सिंह लीड रोल में हैं। फिल्म में संजय दत्त, आर माधवन, सारा अर्जुन और अर्जुन रामपाल जैसे स्टार्स अहम रोल में हैं। फिल्म में राकेश बेदी को भी खास रोल मिला है। हर तरफ फिल्म की चर्चा हो रही है। फिल्म दो पार्ट में रिलीज हुई है। पहला पार्ट दिसंबर 2025 में रिलीज हुआ था। पहले पार्ट में अक्षय खन्ना लाइमलाइट में आ गए थे। फिल्म में वो रहमान डकैत के रोल में थे। इस फिल्म ने दुनियाभर में 1300 करोड़ की कमाई की थी।

कल्कि संभल का दूसरा पोस्टर जारी, 1978 दंगों के पीड़ित सेठ बनवारी के रूप में दिखे रजनीश दुग्गल



संभल के इतिहास से जुड़ी एक संवेदनशील घटना पर बनी फिल्म शकलिक संभलज लगातार चर्चा में बनी हुई है। 1978 के संभल दंगों की पृष्ठभूमि पर तैयार हो रही यह फिल्म शुरुआत से ही सामाजिक, राजनीतिक और ऐतिहासिक बहस का केंद्र रही है। पहले पोस्टर के सामने आते ही जहां विवाद और चर्चाएं तेज हो गई थीं, वहीं अब मेकर्स ने दूसरा पोस्टर जारी कर दिया है, जिसके बाद बहस एक बार फिर गर्मा गई है।

इस बार फिल्म निर्माताओं ने दंगों से जुड़े एक अहम और दर्दनाक किरदार को सामने रखा है, जिसने उस दौर की पीड़ा और जख्मों को फिर से याद दिला दिया है।

रिलीज किए गए दूसरे पोस्टर में सेठ बनवारी लाल गोयल के किरदार से पर्दा उठाया गया है। फिल्म से जुड़े सूत्रों के अनुसार, सेठ बनवारी लाल गोयल 1978 के संभल दंगों में मारे गए प्रमुख पीड़ितों में शामिल थे। बताया जाता है कि वह उस समय श्मुरारी लाल एंड संसय नाम की एक प्रतिष्ठित फर्म के

मालिक थे और संभल के जाने—माने उद्योगपतियों में उनकी गिनती होती थी। दंगों के दौरान भड़की हिंसा में सेठ बनवारी लाल गोयल की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। फिल्म में इस किरदार को अभिनेता रजनीश दुग्गल निभा रहे हैं। इस भूमिका के जरिए मेकर्स उस दौर की त्रासदी और आम लोगों पर टूटे हिंसा के कहर को दिखाने की कोशिश कर रहे हैं। दूसरा पोस्टर सामने आते ही सोशल मीडिया पर प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई है। कुछ लोग इसे इतिहास के उस हिस्से को सामने लाने की कोशिश बता रहे हैं, जिसे वक्त के साथ भुला दिया गया। वहीं, कुछ वर्ग फिल्म की मंशा और इसके संभावित असर को लेकर सवाल खड़े कर रहे हैं। गौरतलब है कि इससे पहले फिल्म के पहले पोस्टर को लेकर भी राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर काफी विवाद हुआ था। फिल्म के निर्माण और इसके विषय को लेकर बयानबाजी तेज हो गई थी, जो अब दूसरे पोस्टर के बाद फिर से चर्चा में आ गई है।

कार्तिक आर्यन की नई हीरोइन प्रीति मुकुंदन कौन हैं? नागजिला से कर रहीं बॉलीवुड में एंट्री

अभिनेता कार्तिक आर्यन इन दिनों अपनी अगली रोमांचक फिल्म नागजिला को लेकर सुर्खियों में हैं, लेकिन इस बार चर्चा सिर्फ कार्तिक की नहीं, बल्कि उनके साथ नजर आने वाली अभिनेत्री प्रीति मुकुंदन की भी हो रही है। साउथ फिल्म इंडस्ट्री में



काम करने के बाद प्रीति अब करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले बन रही इस फिल्म के जरिए अपना बॉलीवुड सफर शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। कौन हैं प्रीति मुकुंदन, आइए जानते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म के निर्माता प्रीति के चयन से बेहद खुश हैं। सूत्रों का कहना है कि प्रीति मुकुंदन इस भूमिका के लिए बिल्कुल फिट बैठती हैं। वो फिल्म में एक बड़े मजेदार और कॉमेडी से भरपूर किरदार में नजर आएंगी, जो कहानी को आगे बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। खुद प्रीति भी इस किरदार को लेकर काफी उत्साहित हैं, क्योंकि उन्हें दर्शकों के सामने अपना एक अलग अंदाज पेश करने का मौका मिल रहा है।

प्रीति एक अभिनेत्री, मॉडल और डांसर हैं, जो अब तक कई तेलुगू, तमिल और मलयालम भाषा की फिल्मों में काम कर चुकी हैं। प्रीति ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत साल 2024 में तेलुगू हॉरर—कॉमेडी फिल्म ओम भीम बुश से की थी। इसके बाद उन्होंने फिल्म स्टार के जरिए तमिल सिनेमा में कदम रखा। उधर मैंने प्यार किया उनकी पहली मलयालम फिल्म थी। प्रीति को विष्णु मांचू और अक्षय कुमार अभिनीत तेलुगू फिल्म कन्नप्पा में भी देखा गया था।

क्या स्क्रीन के बहुत करीब बैठने से आंखें हो जाती हैं खराब? जानिए सही जानकारी



आंखों की देखभाल से जुड़े कई भ्रमों और बातों पर अक्सर चर्चा होती रहती है। इनमें से एक सामान्य बात यह है कि स्क्रीन के बहुत करीब बैठने से आंखें खराब हो जाती हैं। काफी लोग असमंजस में रहते हैं कि यह बात सच है या झूठ। इस लेख में हम इसी बात की सच्चाई जानेंगे और समझेंगे कि क्या वास्तव में स्क्रीन के करीब बैठने से आंखों पर असर पड़ता है या नहीं।

स्क्रीन के करीब बैठने का आखों पर असर: जब हम बहुत करीब बैठकर किसी स्क्रीन आदि को देखते हैं तो हमारी आंखों की मांसपेशियों पर ज्यादा जोर पड़ता है। यह जोर आंखों को थका सकता है और इसकी वजह से काफी परेशानी महसूस हो सकती है। ऐसा करने से आपकी आंखें वास्तव में काफी कमजोर हो सकती हैं। अगर आपको लगातार ऐसा महसूस हो रहा है कि आपको नजर कमजोर हो रही है या आपको धुंधला दिख रहा है तो डॉक्टर से तुरंत संपर्क करें।

क्या इससे कमजोर होती है आंखों की रोशनी?: कई लोगों का मानना है कि स्क्रीन के करीब बैठने से आंखों की रोशनी कम हो जाती है। यह बात पूरी तरह से सच है, क्योंकि वक्त के साथ स्क्रीन टाइम का आंखों की रोशनी पर खासा असर नजर आता है। अगर आप लंबे समय तक स्क्रीन पर काम करते हैं तो आंखों में थकान या जलन जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं। इसलिए, नियमित रूप से आराम करना और आंखों को आराम देना जरूरी है, ताकि नजर सही रहे।

क्या बच्चों को स्क्रीन के करीब बैठकर पढ़ाई करनी चाहिए?

बच्चों को करीब बैठकर पढ़ाई करने से बचना चाहिए, क्योंकि उनकी आंखें पूरी तरह से विकसित नहीं होतीं। इसके अलावा बच्चों को सही तरीके से बैठने और पढ़ाई करने की आदत डालनी चाहिए, ताकि उनकी नजर सुरक्षित रहे। अगर बच्चे लगातार किताब के बहुत पास जा कर पढ़ाई करेंगे तो उनकी नजर कमजोर हो सकती है। इसलिए बच्चों को सही तरीके से बैठने और पढ़ाई करने की आदत डालनी चाहिए।

कैसे कम किया जा सकता है प्रभाव?: आजकल लोग बहुत ज्यादा समय तक स्क्रीन पर काम करते हैं, चाहे वह कंप्यूटर हो या मोबाइल फोन। इससे आंखों में थकान या जलन जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए, नियमित रूप से आराम करना और आंखों को आराम देना जरूरी है। इसके अलावा स्क्रीन की चमक को कम करना और सही रोशनी में काम करना भी अहम है, ताकि आपकी नजर सुरक्षित रहे और कोई समस्या न हो।

नजर की जांच करवाना क्यों है जरूरी?

नजर जांच करवाना बहुत जरूरी है, ताकि किसी भी समस्या का समय पर पता चल सके। अगर आपको लगता है कि आपकी नजर कमजोर हो रही है या आपको धुंधला दिखता है तो डॉक्टर से संपर्क करें। इससे आप सही समय पर इलाज करा सकते हैं और अपनी नजर को सुरक्षित रख सकते हैं। इसके अलावा नजर जांच करवाने से आप अपनी आंखों की सेहत का ध्यान रख सकते हैं और किसी भी समस्या से बच सकते हैं।